अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष – 2025

रिपोर्ट: एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम: एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम

आयोजक: जिला विकास प्रबंधक-आर (DDM), नाबार्ड, सक्ति (छत्तीसगढ़)

स्थान: धान उपार्जन केंद्र, सेवा सहकारी समिति (पैक्स), सकरेली कलाँ, जिला सक्ति

दिनांक: 26 जून 2025

प्रतिभागी:

1. श्री शैलेन्द्र तिवारी, शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, सक्ति,
2. श्री रामानुज साहू, अध्यक्ष, पैक्स, सकरेली कलाँ तथा

सेवा सहकारी समिति (पैक्स), सकरेली कलाँ के संचालक मण्डल और सदस्य

नाबार्ड द्वारा सेवा सहकारी समिति (पैक्स), सकरेली कलाँ के धान उपार्जन केंद्र के परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपन किया गया । कार्यक्रम में श्री शैलेन्द्र तिवारी, शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, सक्ति, श्री रामानुज साहू, अध्यक्ष, पैक्स, सकरेली कलाँ, तथा सेवा सहकारी समिति (पैक्स), सकरेली कलाँ के संचालक मण्डल और पैक्स सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री जगदीश एस गायकवाड ने कहा कि पेड़ लगाना पर्यावरण और जलवायु कार्रवाई का लगभग पर्याय बन चुका है । एक परिपक्व पेड़ प्रति वर्ष लगभग 20 किलोग्राम CO2 अवशोषित करता है यनई सिर्फ अपने हिस्से की भरपाई के लिए आपको 235 पेड़ लगाने होंगे । लेकिन लगाए गए पेड़ों में से 20% ही लंबे समय तक जीवित रह पाते है । अत; पेड़ लगाने के साथ हमें उन्हे जीवित रखने पर भी ध्यान देना होगा। श्री शैलेन्द्र तिवारी, शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, सक्ति ने सभी सहकारी समितियों और धान खरीदी केंद्रों में 10 पौधे अनिवार्य रूप से लगाने का आव्हान किया । उन्होंने कहा कि जुलाई माह में सभी समितियों में 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया जाएं और इसमें जनप्रतिनिधि, किसानों और अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएं ।

'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के छायाचित्र संलग्न है:

2025

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
2025
अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष